Impact of liberalization, globalization, and structural reforms

By
Dr. Santosh Kumar Lal
Dept. of Commerce
Sariya College, Suriya

Introduction

The Indian economy underwent a major transformation in 1991 when the Government introduced the New Economic Policy (NEP). The reforms were mainly based on three broad ideas: Liberalization, Privatization and Globalization (LPG). Along with these, several structural reforms were introduced to improve the efficiency, competitiveness and long-term growth potential of the Indian economy.

परिचय

भारत की अर्थव्यवस्था में 1991 में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया, जब सरकार ने नई आर्थिक नीति (New Economic Policy) लागू की। इस नीति के प्रमुख आधार उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण (LPG) थे। इनके साथ-साथ अनेक संरचनात्मक सुधार (Structural Reforms) भी किए गए, जिनका उद्देश्य अर्थव्यवस्था की दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता और दीर्घकालीन विकास क्षमता को बढ़ाना था।

Liberalization

Liberalization means reducing unnecessary government controls, restrictions, licenses and regulations on economic activities. Before 1991, Indian businesses operated under a highly regulated system often called the License-Permit-Quota Raj. Liberalization attempted to give greater freedom to businesses and increase competition.

उदारीकरण

उदारीकरण का अर्थ आर्थिक गतिविधियों पर लगे अनावश्यक सरकारी नियंत्रण, लाइसेंस, परमिट, कोटा और प्रतिबंधों को कम करना है। 1991 से पहले भारतीय उद्योगों पर अनेक सरकारी नियंत्रण थे, जिन्हें सामान्यतः License-Permit-Quota Raj कहा जाता था। उदारीकरण का उद्देश्य उद्योगों और व्यवसायों को अधिक स्वतंत्रता देना तथा प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना था।

Major measures / प्रमुख उपाय

- Industrial licensing was substantially reduced.
- औद्योगिक लाइसेंसिंग में काफी कमी की गई।
- Restrictions on private-sector investment were reduced.
- निजी क्षेत्र में निवेश संबंधी प्रतिबंधों को कम किया गया।
- Financial-sector reforms were introduced.
- वित्तीय क्षेत्र में सुधार किए गए।
- Tax reforms were undertaken to simplify the tax structure.
- कर व्यवस्था को सरल बनाने के लिए कर सुधार किए गए।
- Competition and efficiency were given greater importance.
- प्रतिस्पर्धा और कार्यकुशलता को अधिक महत्व दिया गया।

Impact of Liberalization / उदारीकरण का प्रभाव

Positive impacts / सकारात्मक प्रभाव:

- Increased competition:
- Competition encouraged firms to improve quality and reduce costs.
- प्रतिस्पर्धा बढ़ने से कंपनियों ने गुणवत्ता सुधारने और लागत कम करने पर ध्यान दिया।
- Improved efficiency:
- Firms became more concerned about productivity and efficient use of resources.
- उद्योगों में उत्पादकता और संसाधनों के कुशल उपयोग पर जोर बढ़ा।
- Greater consumer choice:
- Consumers got access to a wider variety of goods and services.
- उपभोक्ताओं को वस्तुओं और सेवाओं की अधिक विविधता उपलब्ध हुई।
- Technological improvement:
- Greater competition and foreign participation encouraged adoption of modern technology.
- प्रतिस्पर्धा और विदेशी भागीदारी से आधुनिक तकनीक अपनाने को प्रोत्साहन मिला।
- Growth of entrepreneurship:
- Reduced controls created greater opportunities for private entrepreneurs.
- नियंत्रण कम होने से निजी उद्यमियों के लिए अवसर बढ़े।

Negative/critical impacts / नकारात्मक या आलोचनात्मक प्रभाव:

- Small and inefficient firms may face difficulty competing with large firms.
- छोटी और कम-कुशल इकाइयों को बड़ी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने में कठिनाई हो सकती है।

- Benefits of reforms may not be equally distributed.
- सुधारों के लाभ सभी वर्गों को समान रूप से नहीं मिल सकते।

- Competitive pressure can lead to restructuring and job displacement in some industries.
- कुछ उद्योगों में प्रतिस्पर्धा के कारण पुनर्गठन और रोजगार में कमी हो सकती है।

Globalization

Globalization refers to the increasing integration of an economy with the economies of other countries through international trade, investment, technology, finance and movement of information. It makes the domestic market increasingly connected with the global market.

वैश्वीकरण

वैश्वीकरण का अर्थ किसी देश की अर्थव्यवस्था का अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं के साथ व्यापार, निवेश, तकनीक, वित्त और सूचना के माध्यम से बढ़ता हुआ एकीकरण है। इसके कारण घरेलू बाजार का संबंध वैश्विक बाजार से अधिक मजबूत हो जाता है।

Major features / प्रमुख विशेषताएँ

- Expansion of international trade
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार का विस्तार
- Increase in foreign direct investment (FDI)
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) में वृद्धि
- Greater movement of technology and knowledge
- तकनीक एवं ज्ञान का अधिक आदान-प्रदान
- Integration of financial markets
- वित्तीय बाजारों का एकीकरण
- Growth of multinational corporations (MNCs)
- बहुराष्ट्रीय कंपनियों का विस्तार

Impact of Globalization / वैश्वीकरण का प्रभाव

Positive impacts / सकारात्मक प्रभाव:

- Expansion of markets:
- Indian companies obtained greater opportunities to sell products in international markets.
- भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपने उत्पाद बेचने के अधिक अवसर मिले।
- Foreign investment:
- Globalization encouraged foreign capital and investment.
- वैश्वीकरण से विदेशी पूंजी और निवेश को बढ़ावा मिला।
- Technology transfer:
- International business relationships facilitated access to new technologies.
- अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संबंधों से नई तकनीकों तक पहुँच आसान हुई।
- Improvement in quality:
- Exposure to global competition encouraged Indian firms to improve quality and standards.
- वैश्विक प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय कंपनियों को गुणवत्ता और मानकों में सुधार करना पड़ा।
- Employment and new opportunities:
- Global integration contributed to the growth of sectors such as IT, business services and export-oriented industries.
- वैश्विक एकीकरण से IT, business services और export-oriented industries जैसे क्षेत्रों में नए अवसर बढ़े।

Challenges / चुनौतियाँ:

- Domestic firms face intense global competition.
- घरेलू कंपनियों को कड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।

- Excessive dependence on global markets can increase vulnerability to international shocks.
- वैश्विक बाजारों पर अत्यधिक निर्भरता से अंतरराष्ट्रीय संकटों का प्रभाव बढ़ सकता है।

- Benefits may be uneven across sectors and regions.
- इसके लाभ सभी क्षेत्रों और राज्यों में समान रूप से वितरित नहीं होते।

Structural Reforms / संरचनात्मक सुधार

Structural reforms are fundamental changes in the institutions, regulations, policies and systems of an economy. Their objective is not merely to provide short-term relief but to improve the long-term functioning and productivity of the economy.

संरचनात्मक सुधारों का अर्थ अर्थव्यवस्था की संस्थाओं, नीतियों, नियमों और कार्यप्रणाली में मूलभूत परिवर्तन करना है। इनका उद्देश्य केवल अल्पकालीन राहत देना नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था की दीर्घकालीन कार्यक्षमता, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है।

Important structural reforms / प्रमुख संरचनात्मक सुधार

- Industrial reforms: Reduction in licensing and greater freedom to private enterprises.
- औद्योगिक सुधार: लाइसेंसिंग में कमी तथा निजी उद्योगों को अधिक स्वतंत्रता।
- Financial-sector reforms: Improvements in banking and financial-market regulation.
- वित्तीय क्षेत्र सुधार: बैंकिंग एवं वित्तीय बाजारों की कार्यप्रणाली और नियमन में सुधार।
- Tax reforms: Simplification and rationalization of taxation.
- कर सुधार: कर व्यवस्था का सरलीकरण और युक्तिसंगतीकरण।
- Trade reforms: Reduction of trade barriers and greater integration with international markets.
- व्यापार सुधार: व्यापारिक बाधाओं में कमी और अंतरराष्ट्रीय बाजार से अधिक जुड़ाव।
- Public-sector reforms: Greater emphasis on efficiency, accountability and commercial principles.
- सार्वजनिक क्षेत्र सुधार: दक्षता, जवाबदेही और व्यावसायिक सिद्धांतों पर अधिक जोर।
- Infrastructure reforms: Efforts to improve transport, communication, energy and other supporting infrastructure.
- बुनियादी ढाँचा सुधार: परिवहन, संचार, ऊर्जा आदि सुविधाओं में सुधार।

Overall Impact on Indian Business Environment
भारतीय व्यावसायिक पर्यावरण पर समग्र प्रभाव

A. Positive Impact / सकारात्मक प्रभाव

1. More competitive business environment

- Businesses became more competitive due to reduced protection and increased domestic and international competition.
- अधिक प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक वातावरण: संरक्षण में कमी और घरेलू तथा विदेशी प्रतिस्पर्धा बढ़ने से कंपनियों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनना पड़ा।

2. Better quality of products and services

- Firms started focusing more on quality, innovation and customer satisfaction.
- वस्तुओं और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार: कंपनियों ने गुणवत्ता, नवाचार और ग्राहक संतुष्टि पर अधिक ध्यान देना शुरू किया।

3. Technological advancement

- Global integration facilitated access to modern technology and management practices.
- तकनीकी विकास: वैश्विक एकीकरण से आधुनिक तकनीक और प्रबंधन पद्धतियों तक पहुँच बढ़ी।

4. Growth of private sector

- Private enterprises received greater freedom to enter and expand in many sectors.
- निजी क्षेत्र का विकास: निजी उद्यमों को अनेक क्षेत्रों में प्रवेश और विस्तार के अधिक अवसर मिले।

5. Consumer empowerment

- Consumers gained greater choice, improved quality and, in many markets, more competitive pricing.
- उपभोक्ता सशक्तिकरण: उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प, बेहतर गुणवत्ता और कई बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी कीमतें प्राप्त हुईं।

6. Export opportunities

- Indian businesses became increasingly connected with international markets.
- निर्यात के अवसर: भारतीय व्यवसाय अंतरराष्ट्रीय बाजारों से अधिक जुड़ने लगे।

B. Negative Impact / नकारात्मक प्रभाव

1. Increased competition

- Weak or inefficient domestic firms may struggle to survive against large domestic and multinational companies.
- प्रतिस्पर्धा में वृद्धि: कमजोर या कम-कुशल घरेलू कंपनियों के लिए बड़ी घरेलू एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो सकता है।

2. Pressure on small businesses

- Small and traditional enterprises may lack technology, finance and marketing capabilities.
- लघु व्यवसायों पर दबाव: छोटे एवं पारंपरिक व्यवसायों के पास तकनीक, वित्त और विपणन की पर्याप्त क्षमता न होने से वे प्रभावित हो सकते हैं।

3. Unequal distribution of benefits

- Highly skilled workers, urban areas and globally connected sectors may benefit more rapidly than others.
- लाभों का असमान वितरण: कुशल श्रमिकों, शहरी क्षेत्रों और वैश्विक रूप से जुड़े क्षेत्रों को अपेक्षाकृत अधिक और तेजी से लाभ मिल सकता है।

4. Exposure to global shocks

- Greater integration also means that international economic crises can affect domestic businesses.
- वैश्विक संकटों का प्रभाव: अधिक वैश्विक एकीकरण के कारण अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संकटों का प्रभाव घरेलू व्यवसायों पर पड़ सकता है।

Impact on Different Stakeholders / विभिन्न हितधारकों पर प्रभाव

Stakeholder	Impact	प्रभाव
Consumers	More choice and better quality	अधिक विकल्प एवं बेहतर गुणवत्ता
Businesses	More opportunities but greater competition	अधिक अवसर लेकिन अधिक प्रतिस्पर्धा
Employees	New skilled jobs but changing skill requirements	नए कुशल रोजगार, लेकिन बदलती skill requirements
Government	Shift from direct control to regulation and facilitation	प्रत्यक्ष नियंत्रण से नियमन एवं सुविधा प्रदान करने की भूमिका
Foreign investors	Greater access to Indian market	भारतीय बाजार तक अधिक पहुँच
Small enterprises	New markets but stronger competitive pressure	नए बाजार, लेकिन अधिक प्रतिस्पर्धात्मक दबाव

Change in Role of Government / सरकार की भूमिका में परिवर्तन

Before reforms / सुधारों से पहले:

- The government played a dominant role through licensing, controls, protection and direct participation in economic activities.

सुधारों से पहले:

- सरकार लाइसेंस, नियंत्रण, संरक्षण तथा प्रत्यक्ष आर्थिक भागीदारी के माध्यम से अर्थव्यवस्था में प्रमुख भूमिका निभाती थी।

After reforms / सुधारों के बाद:

- The role increasingly shifted towards facilitator, regulator and policy-maker, while allowing greater space for private enterprise and market forces.

सुधारों के बाद:

- सरकार की भूमिका अधिकतर सुविधा प्रदाता, नियामक और नीति-निर्माता के रूप में विकसित हुई तथा निजी क्षेत्र और बाजार शक्तियों को अधिक स्थान मिला।

Critical/Subjective Analysis

Liberalization, globalization and structural reforms transformed the Indian business environment by reducing excessive controls, increasing competition, encouraging private investment and connecting Indian firms with global markets. However, the reforms also created challenges such as greater competitive pressure, adjustment costs and unequal benefits across sectors and groups. Therefore, the success of reforms depends not only on market freedom but also on effective regulation, infrastructure, skill development, social protection and inclusive policies.

आलोचनात्मक विश्लेषण

उदारीकरण, वैश्वीकरण और संरचनात्मक सुधारों ने अत्यधिक सरकारी नियंत्रण को कम करके, प्रतिस्पर्धा बढ़ाकर, निजी निवेश को प्रोत्साहित करके तथा भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजार से जोड़कर भारतीय व्यावसायिक वातावरण में व्यापक परिवर्तन किया। लेकिन इन सुधारों से अधिक प्रतिस्पर्धा, समायोजन की लागत तथा विभिन्न क्षेत्रों और वर्गों के बीच लाभों की असमानता जैसी चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुईं। इसलिए सुधारों की सफलता केवल बाजार की स्वतंत्रता पर निर्भर नहीं करती, बल्कि प्रभावी नियमन, बुनियादी ढाँचे, कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा और समावेशी नीतियों पर भी निर्भर करती है।

Conclusion

The 1991 reforms marked a turning point in India's economic and business environment. Liberalization provided greater economic freedom, globalization connected India with the world economy, and structural reforms sought to improve the underlying efficiency of the economic system. Together, they made Indian businesses more market-oriented, competitive and globally connected, although the need for inclusive growth and effective regulation remains important.

निष्कर्ष

1991 के आर्थिक सुधार भारत के आर्थिक एवं व्यावसायिक वातावरण में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुए। उदारीकरण ने आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ाया, वैश्वीकरण ने भारत को विश्व अर्थव्यवस्था से जोड़ा और संरचनात्मक सुधारों ने अर्थव्यवस्था की मूलभूत कार्यक्षमता को बेहतर बनाने का प्रयास किया। इन सभी ने मिलकर भारतीय व्यवसायों को अधिक बाजार-उन्मुख, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक बनाया, हालांकि समावेशी विकास और प्रभावी नियमन की आवश्यकता आज भी महत्वपूर्ण है।